nt>

Title: Need to issue directions on the non-acceptance of Rs.500 notes by the banks in Gorakhpur, UP and inquire the seize of ten tonnes i.e.240 Bags of notes in a factory in Bihar.

श्री आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने या रिजर्व बैंक ने पांच सौ रूपये के नोटों को लेने से इंकार किया है। मैं खास तौर से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जनपद में राष्ट्रीयकृत बैंकों के द्वारा पांच सौ रूपये के नोट आम जनता से न लेने की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। वहां एक संशय की स्थिति पैदा हो गई है। मेरी समझ में यह नहीं आता कि जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनकर इस स र्वोच्च पंचायत में इसलिए भेजती है कि जनता के हितों की बात पर यहां विचार-विमर्श होगा और उसके समाधान के लिए कुछ कार्य होगा। लेकिन पिछले चार दिनो से हम यहां नोटिस दे रहे हैं, परंतु यहां हर समय जनता की वास्तविक समस्याओं पर विचार-विमर्श न होकर केवल हो-हल्ला हो रहा है। मैं सदन का ध्यान गोरखपुर की समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा अभी चार दिन पूर्व ही बिहार में एक कारखाने से दस टन यानी २४० बोरे नोटों के बरामद हुए हैं, क्या सरकार उसकी जांच करायेगी और गोरखपुर में पांच सौ रूपये के नोट बैंकों द्वारा नहीं लिये जा रहे हैं, क्या उसके बारे में भी सरकार कोई निर्देश देगी कि ऐसा क्यों हो रहा है। मुझे लगता है कि इसके पीछे कही न कहीं आई.एस.आई. का हाथ है। वह वहां पर जनभावनाओं को भड़काकर तनाव या तनावपूर्ण स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रही है। अतः मेरा निवेदन है कि आप इस बारे में सरकार को निर्देश दें। धन्यवाद।